जादुई कचड़ा

जादुई कचड़ा

हाइडलबर्ग स्ट्रीट पर सर्दियों की ठंडी हवा चल रही थी. नन्हे टायरी गायटन ने अपने कोट के बटन बंद किए-खटक! कोट का अंतिम बटन टूट कर नाली में जा गिरा. उसने बटन ढूँढने के लिए कचड़े में हाथ डाला. उसने ठंड से जमे हुए पत्तों में अपने बटन को ढूँढा. कचड़े से उसने आइसक्रीम की एक डंडी खींच कर बाहर निकाली. पटरी के किनारे उसने साइकिल का पहिया एक डंडे पर खड़ा कर दिया. उसने बर्फ में दबी एक बेसबॉल कैप खींच कर बाहर निकाली.

जब वह घर की ओर दौड़ा तो उसकी जेबें खनखना रही थीं. उसका घर डेट्राएट के पूर्वी भाग में था. घर परिवार के दस बच्चों के लिए छोटा था.

“सामान खरीदो,” रेडियो पर बज रहे गीत के साथ-साथ टायरी भी गाने लगा और जेब में इकट्ठी की हुई चीज़ें बाहर निकाल कर जमा करने लगा. कपड़े सिल कर और लोगों के घरों में सफाई का काम कर उसकी माँ उतने पैसे न कमा पाती थी कि वह बच्चों के लिए नए जूते खरीद पाती थी, साइकिल और गेंद खरीदने की बात तो वह सोच भी न सकती थी. इसलिए जो सामान लोग बेकार समझ कर फेंक देते थे, उसी से टायरी मौज-मस्ती कर लेता था.

आइसक्रीम की डंडियाँ घर बनाने के लिए लठ्ठे बन गईं और टोपी एक रॉकेट शिप के समान आकाश की ओर चल दी.

“चलो रॉकेट उड़ायें
तख्तों की बनी हैं मीनारें
उछलो, कूदो और नाचो,
यह है जादुई कचड़ा.”
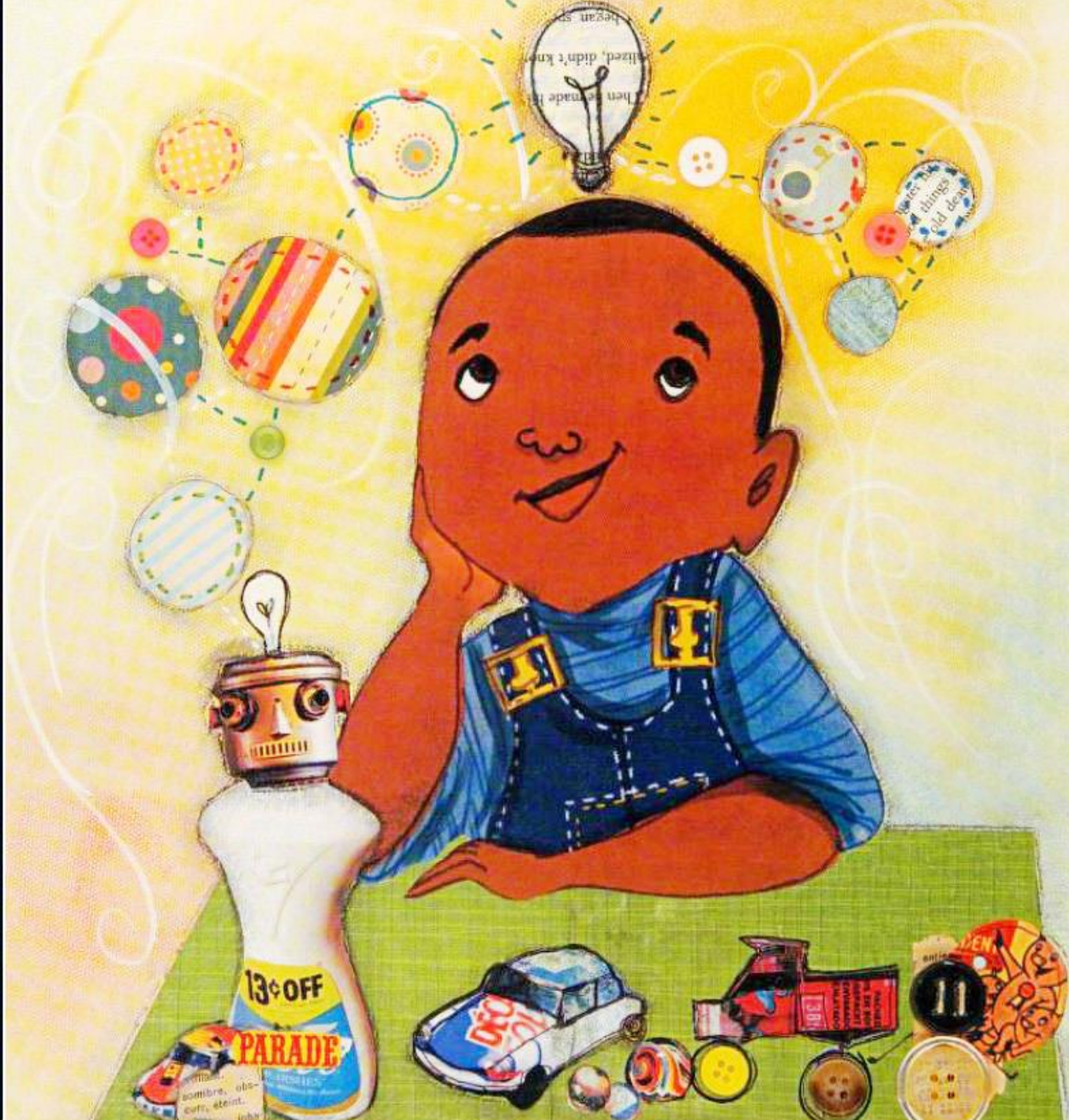
टायरी नए-नए डिज़ाइनों के बारे में सोच रहा था. उसे अपने भाइयों के खेलने की आवाज़ भी सुनाई न दी. स्कूल में वह अकेला ही बैठता था और तस्वीरें बनाया करता था.

जब उसका रिपोर्ट कार्ड आया तो उसकी एक आंटी ने पूछा, “क्या वह मंदबुद्धि है?”

“शायद सनकी है?” माँ ने बुदबुदाकर कहा.

जब टायरी नौ वर्ष का तब एक दिन उसके दादा, जो घरों में पेंट करने का काम करते थे, ने एक पेंट ब्रश उसके हाथ में देकर कहा, “दुनिया को रंग डालो.”

टायरी ने ब्रश को रंगों से भिगोया और कहीं पर उसने बैंगनी और कहीं पर पीला रंग लगाया. वह ब्रश को ऐसे घुमा रहा था जैसे कि वह जादू की छड़ी हो. अचानक टायरी का संकोच गायब हो गया.

जब वह लाल रंग से पेंट करता तो ऐसा लगता कि मीठे सेब मसल कर लगा दिये गए थे. उसने हुरॉन झील देखी न थी, पर झील का नीला रंग दीवार पर दिखाई दे रहा था.

“बिलकुल नई जैसी लगती है,” एक चमकती हुई सीढ़ी देखकर दादा ने कहा. टायरी मुस्कराया और उस पर हरा रंग पोतने लगा.

गली के दूसरे बच्चे उसे देखकर हँसने लगे, “उसके हरे चेहरे को देखो! हा-हा! हरा कचड़ा.”

लेकिन अपने ब्रश को रंगों में डुबो कर जब टायरी यहाँ-वहाँ भाग रहा था उसके कानों में दादाजी के शब्द गूँज रहे थे.

“मैं एक कलाकार बनूँगा,” टायरी ने कहा.
उसकी माँ का चेहरा लटक गया. “वह कोई काम नहीं है.”
उसने अपने दादा की चमकती आँखों में झांक कर देखा.
टायरी ने अपना ब्रश अपने हाथ में थामा. वह एक कलाकार बनेगा....निश्चय ही.”
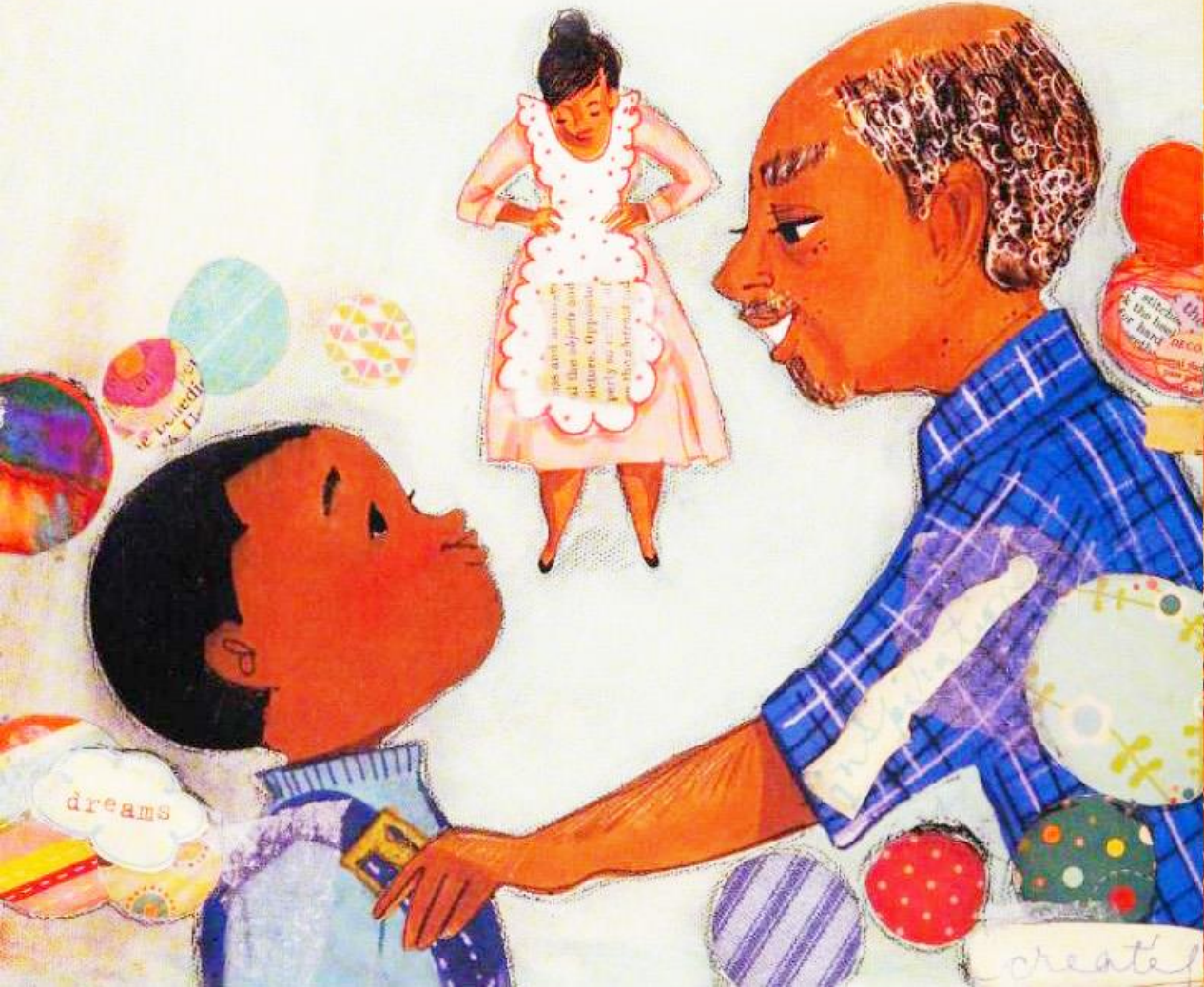
रंग करो हरा और लाल
जूतों और पहियों पर
स्लॉश, स्लेप और स्पलेश
सारा जादुई कचड़ा.

टायरी बारह साल का था. पास की माउँट एलियट स्ट्रीट में नेशनल गार्ड के टैंक आ रहे थे. उनसे निकलते धूँए में टायरी ने देखने का प्रयास किया. अपने जीवनकाल में टायरी ने पड़ोसियों को नए उपनगरों में रहने के लिए अपने नगर से बाहर जाते देखा था. जो लोग पीछे रह गए थे वह गुस्से से भड़क गए. टायरी सब देख रहा था, भय से उसके दाँत किटकिटा रहे थे. दंगाई उसके घर के आसपास की इमारतें जला रहे थे.
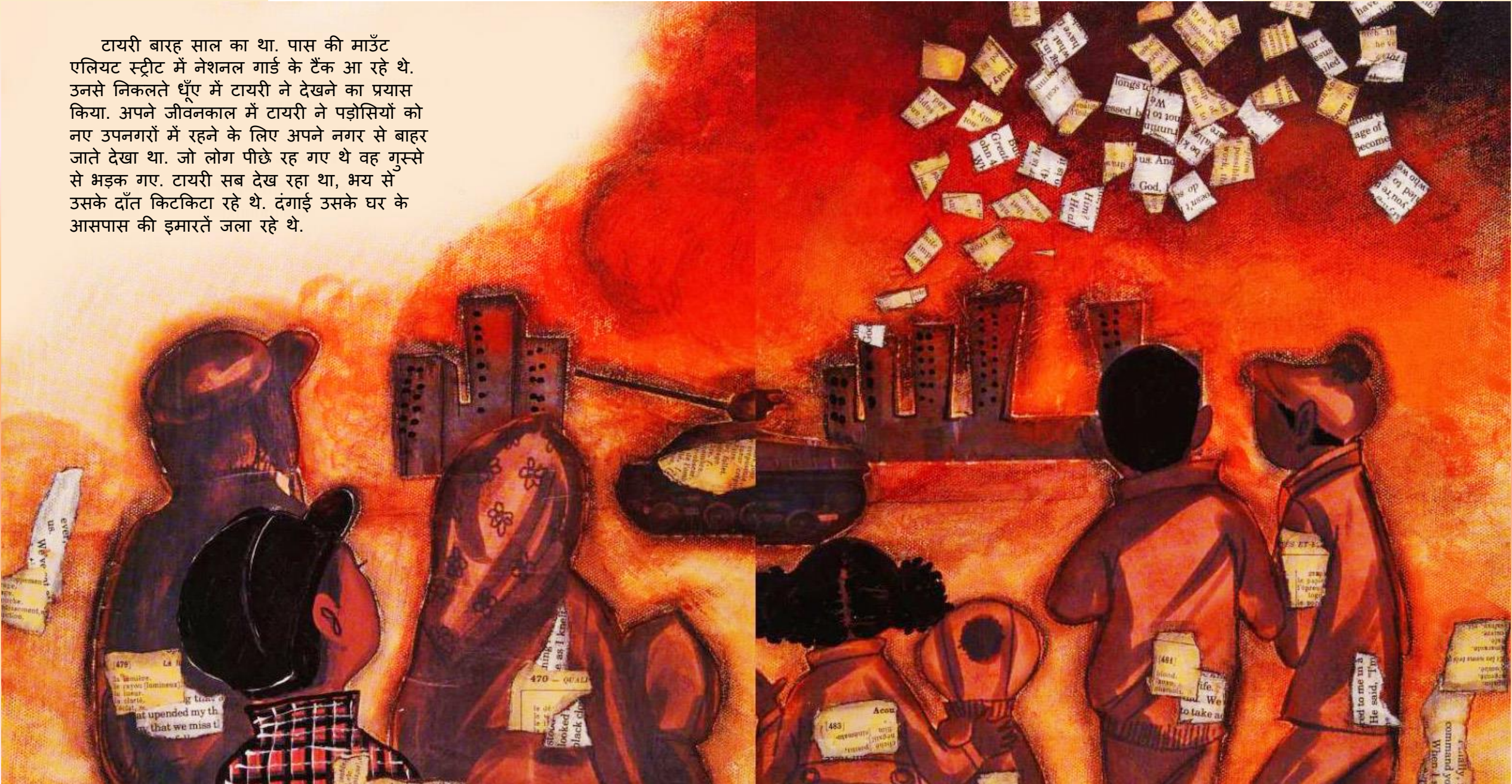
सौलह साल की उमर में
टायरी भी भाग्य आज़माने के
लिए हाइडलबर्ग स्ट्रीट छोड़ आया.

वह एक सैनिक की तरह चला.

उसने एक फैक्टरी में कारों का
निरीक्षण किया.

उसने अग्निशामक का काम
किया और आग बुझाई.

लेकिन वह पेंट करना न भूला. रंगों, लकीरों और
डिज़ाइनों के बारे में अधिक जानने के लिए वह एक आर्ट
स्कूल में भर्ती हो गया.

और आखिरकार वह अपने घर हाइडलबर्ग लौट आया.

लेकिन वापस आकर उसने देखा कि उसकी गली बदल गई थी. घर वीरान थे और जो लोग उन घरों को खाली कर चले गए थे उनकी आत्मायें उन घरों में भटक रही थीं.

और उपद्रवी लोग घात लगाये रहते थे. वह चोरी-छिपे खाली घरों में घुस जाते थे और कभी-कभी उन्हें आग भी लगा देते थे.

वू! आत्मायें लगाती हैं चक्कर
नई मुसीबतें लगाती हैं चक्कर
ठोकर मारो, आग लगाओ
और फेंको जादुई कचड़ा.

“नहीं,” टायरी चिल्लाया. “इस गली में नहीं.”

उसकी माँ अभी भी उसी घर में रहती थी. दादा जी अभी भी पेंटिंग करते थे पर अब घरों के अंदर.
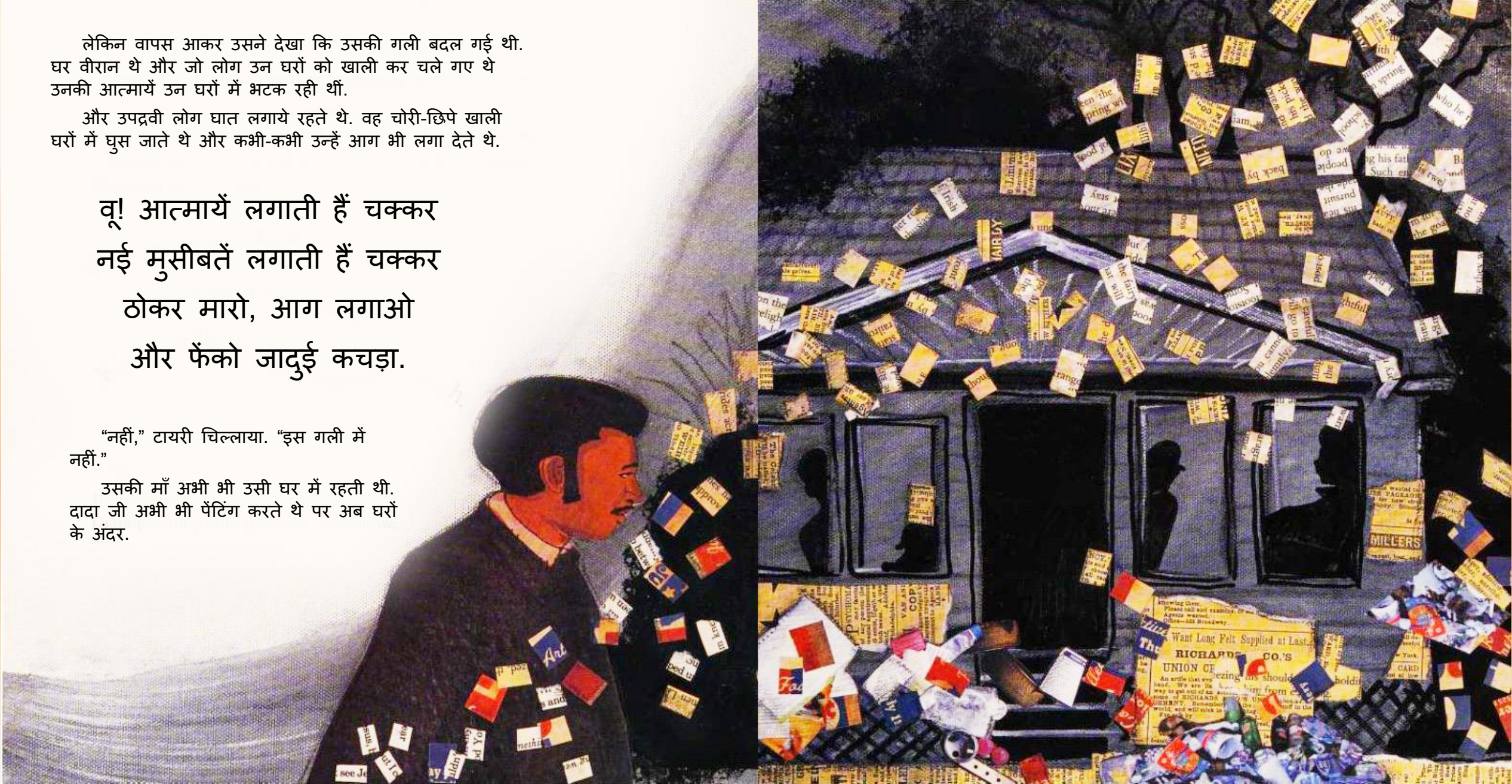
टायरी ने अपना ब्रश उठाया और कचड़े में चीज़ें खोजने लगा. उसने सूटकेस और टायलेट और तुरही पर रंग किया.

शीघ्र ही उसके दादा उसकी मदद करने आ पहुँचे.

उन्होंने एक ठप्प पड़ी बस को पेंट किया. उन्होंने पेड़ों के साथ जूते लटका दिए. टूटे हुए बाइक्स और बेकार टायर उन्होंने जले हुए घरों और खाली अहातों में फेंक दिए. और उन्होंने नीले और काले और नारंगी रंगों में ईश्वर के मुखड़े पेंट किए.
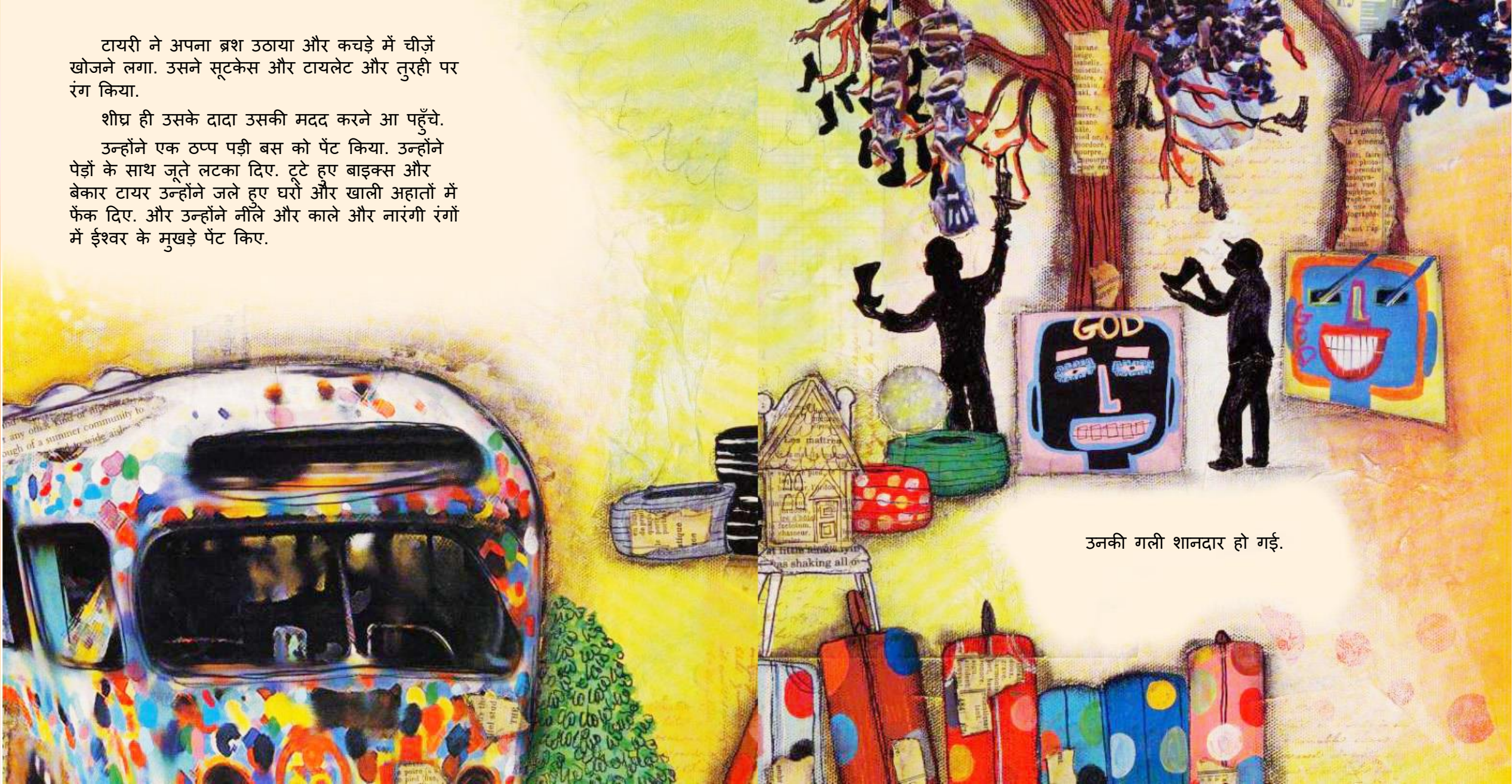
उनकी गली शानदार हो गई.

जब एक खाली घर में कुछ गड़बड़ हुई तो टायरी ने उस घर की दीवारों पर गुलाबी, नीले, पीले और जामुनी रंग में गोल (dots) और चौकोर (square) पेंट कर दिए. फिर घर के पोर्च में एक गहरे लाल रंग का कुत्ता खड़ा कर दिया. नशीली पदार्थ बेचने वाले चोर इन चमकीले रंगों और कुत्ते को देखकर डर कर भाग गए.

टायरी ने एक घर का नाम रखा, डॉटी वॉटी और दूसरे का फन हाउस.

भूखे, रोते बच्चों को देखकर टायरी ने टेलीफोन के खम्बों से और छतों से टूटी हुई बच्चों की गुड़ियाँ टाँग दीं. हवा के चलने से यह गुड़ियाँ सिसकियाँ लेतीं. शायद अब लोग देखें.

चमकीले रंग धमकते हैं

डर कर चोर भागते हैं

भूँकता चिल्लाता और

झूलता जादुई कचड़ा.

कई लोग कचड़े को लेकर नाराज़गी व्यक्त करने लगे. कुछ लोगों ने नगर प्रशासन से शिकायत कर दी.

मेयर अपने सहायकों के साथ आ धमके.

शीघ्र ही हर बोर्ड और हर गुड़िया को ध्वस्त करने के लिए बुलडोज़र भी आ गए.

"आप ऐसा नहीं कर सकते!" पड़ोसी चिल्लाये.

"यहाँ से चले जाओ!" अन्य चिल्लाये. "टायरी का कचड़ा बहुत सुंदर है."
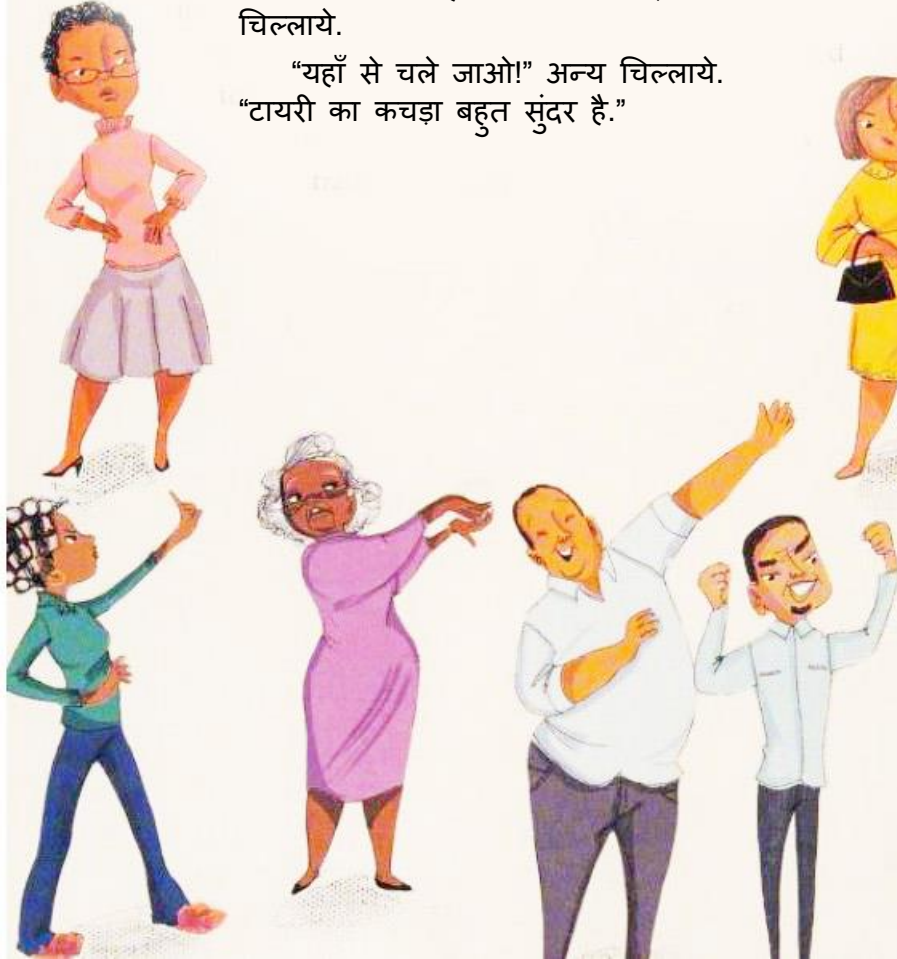
अपनी कला के कुछ टुकड़े बचाने के लिए टायरी भाग कर आया. "यह मेरी कलाकृतियाँ हैं," वह चिल्लाया.

लेकिन उसके डाट्स और पट्टियां और गुड़ियाँ ध्वस्त होकर ज़मीन पर चुपचाप पड़ी थीं.

टायरी ने अपनी आँखें मलीं, दादाजी ने मलबे के ढेर को हिलाया.

पुराने घर बोलते हैं
कुछ पड़ोसी शिकायत करते हैं
ध्वस्त हो गया सारा जादुई कचड़ा.
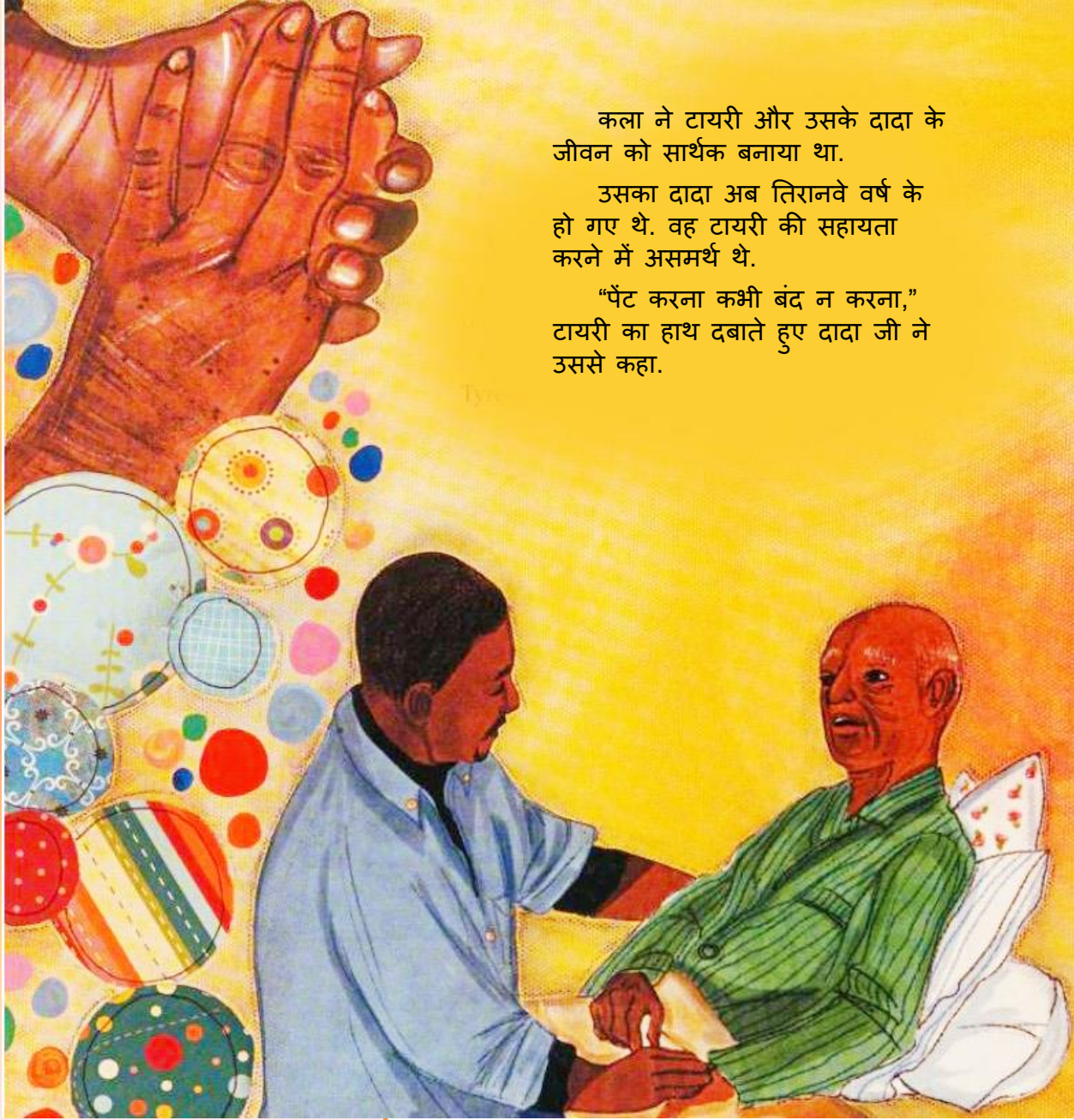
कला ने टायरी और उसके दादा के जीवन को सार्थक बनाया था.

उसका दादा अब तिरानवे वर्ष के हो गए थे. वह टायरी की सहायता करने में असमर्थ थे.

“पेंट करना कभी बंद न करना,” टायरी का हाथ दबाते हुए दादा जी ने उससे कहा.

और शीघ्र ही टायरी अकेला रह गया, अपने ब्रशों और रंगो और कचड़े के साथ.
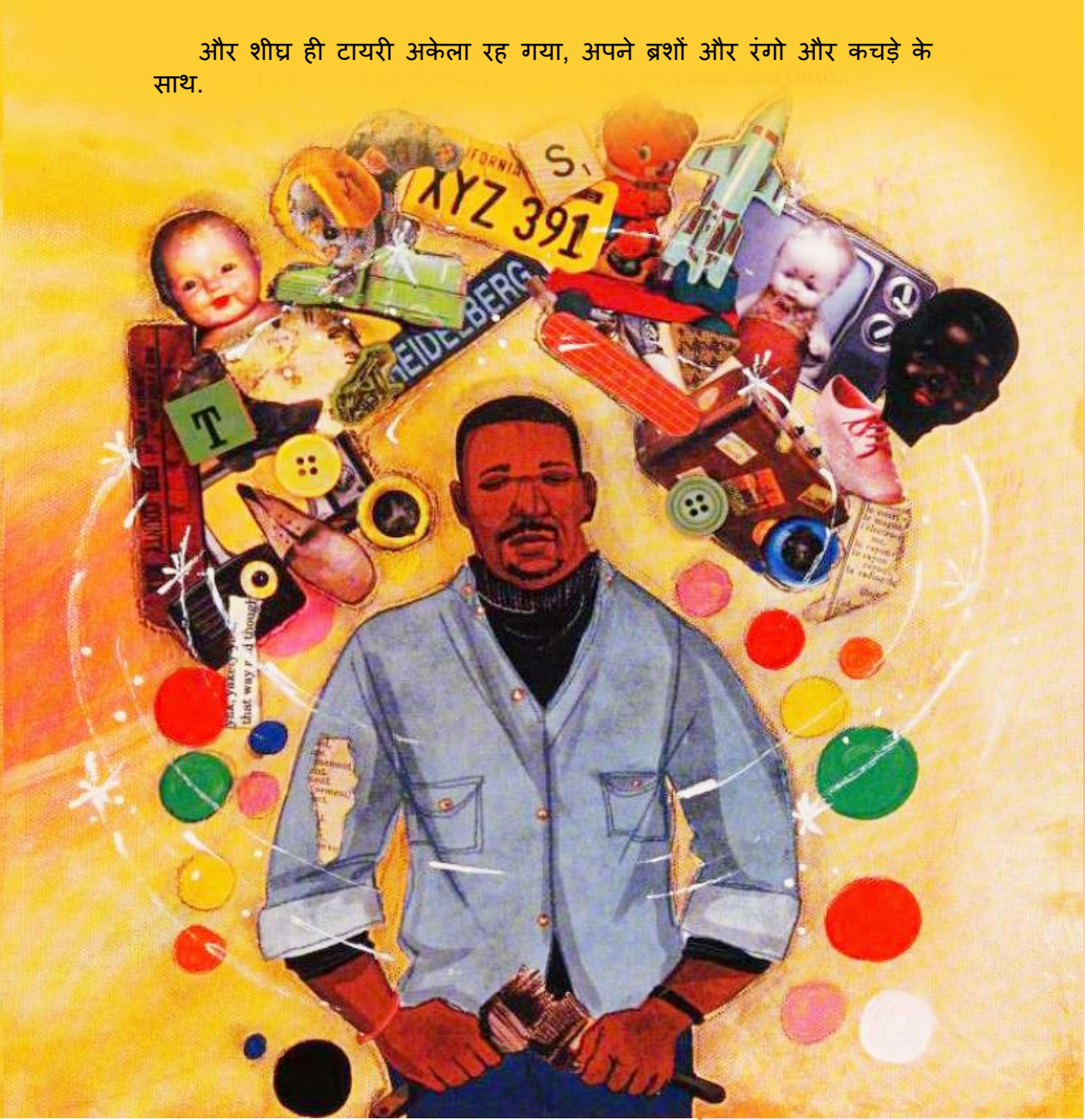
लेकिन वह अधिक समय तक अकेला न रहा.

"हम तुम्हारी मदद कर सकते हैं," कुछ पड़ोसियों ने कहा.

"तुम्हारे रंग और डॉट्स देखकर चोर डर कर भाग गए थे."

सब ने मिलकर मलबे को हटाया और जगह को साफ किया और नया कचड़ा ले आए.
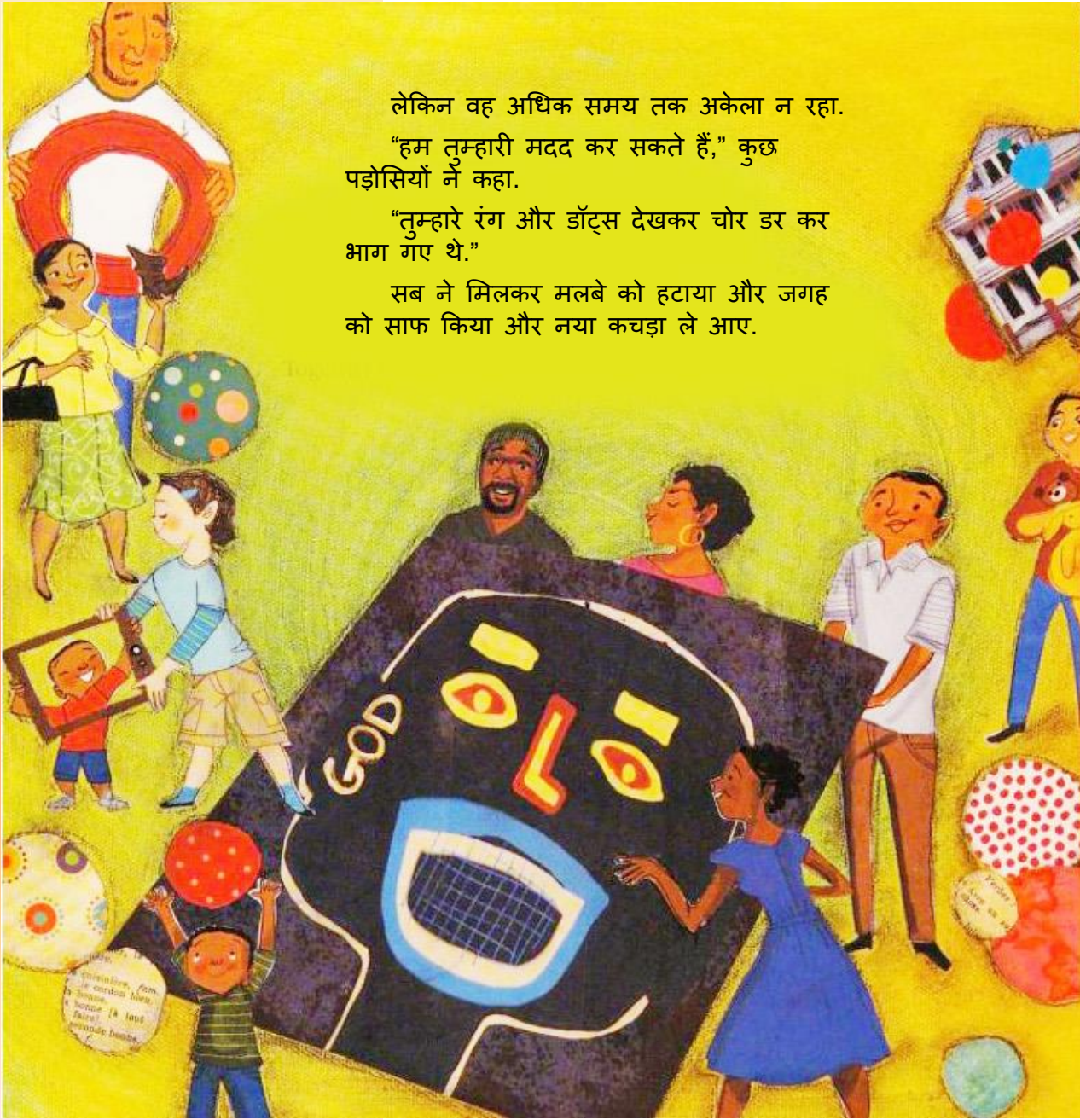
आठ वर्षों तक नया पेंट करने और पुनर्निर्माण के बाद पड़ोसियों ने फिर से बुलडोज़रों की आवाज़ सुनी. ईश्वर के मुखड़े देखते रहे और प्रशासन ने दो और घरों को ध्वस्त कर दिया.

"नहीं!" टायरी चिल्लाया.

टायरी और उसके पड़ोसी बहुत गुस्से में थे.

"यह गली हमारी है," उन्होंने कहा.

"हम कभी हार न मानेंगे!"

वह सब नगर आए और वहाँ पर एक जज और ज्यूरी को अपनी कहानी सुनाई.

अधिकारियों ने तर्क किया कि हाइडलबर्ग स्ट्रीट कचड़े का ढेर बन गई है.

नहीं, अदालत ने निर्णय दिया.

टायरी की कलाकृतियाँ बच गईं.
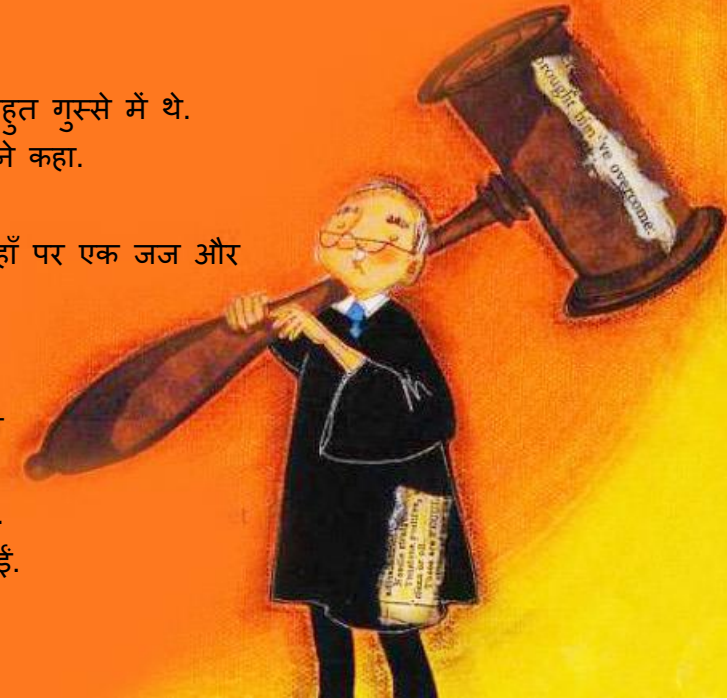
अगले दिन से ही टायरी और उसके पड़ोसी काम में जुट गए. रंगो में डुबोये ब्रश जादू की छड़ी समान चलने लगे. डिज़ाइन बनाते और कीलों से दीवारों पर ठोकते समय बच्चे गीत गाते थे. जो लोग शुरु में झगड़ा करते थे वह भी काम में हाथ बटाने लगे. सब मिलकर गली और अपने घरों को चमकाने लगे.

हाइडलबर्ग स्ट्रीट की प्रसिद्धि दूर तक फैल गई. लोग कैनेडा, कीनीया और जापान से उस पड़ोस को देखने आने लगे. वह आश्चर्यचकित होकर बोले, “वाह, देखो यह सब कितना सुंदर है.”

टायरी ने ब्रश हिला कर कहा, “आपका स्वागत है.”

गर्म हवा में डॉट्स नाचते,
कचड़े के चमकते टुकड़े हिलते
और खनखनाते.

रॉकेट उड़ने दो
तख्ते बहुत ऊँचे हैं

उछले, कूदे नाचे जादुई कचड़ा.